International Journal of Humanities and Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 05-10-2025, Accepted: 04-11-2025, Published: 20-11-2025
Volume 11, Issue 6, 2025, Page No. 57-58

सांभर झील (राजस्थान) की नमक उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की कार्य–स्थितियाँ, स्वास्थ्य जोखिम एवं सामाजिक–आर्थिक चुनौतिया

Chhotu Ram
Assistant professor, Department of Business & Administration/Commerce, S.B.K. Govt P.G. College, Jaisalmer, Jai Narain Vyas University, Jodhpur, Rajasthan, India

सारांश
यह शोध–पत्र राजस्थान की सांभर झील क्षेत्र की नमक उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों की कार्य–स्थितियों, स्वास्थ्य जोखिमों और सामाजिक–आर्थिक परिस्थितियों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन में पाया गया कि श्रमिक अत्यधिक कठिन वातावरण में कार्य करते हैं, जहाँ उच्च तापमान, खारे जल, और धूप के संपर्क के कारण अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। अधिकांश श्रमिक असंगठित क्षेत्र से जुड़े हैं, जिनकी आय सीमित है तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुँच अपर्याप्त है। यह अध्ययन श्रमिकों की वास्तविक स्थिति को रेखांकित करते हुए नीति सुधार की आवश्यकता पर बल देता है।

मूल शब्दः सांभर झील, नमक उद्योग, श्रमिक, स्वास्थ्य जोखिम, सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक स्थिति

भूमिका
सांभर झील राजस्थान के जयपुर और डीडवाना कुचामन जिलों की सीमा पर स्थित है। यह भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारे जल की झील है और देश के नमक उत्पादन का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। इस झील का ऐतिहासिक और आर्थिक महत्व बहुत अधिक है। नमक उत्पादन में कार्यरत श्रमिक झील के किनारे खुले वातावरण में कार्य करते हैं। उनका जीवन स्तर और कार्य–परिस्थितियाँ दोनों ही चुनौतीपूर्ण हैं। यह शोध–पत्र इन्हीं परिस्थितियों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

साहित्य समीक्षा
पूर्ववर्ती अध्ययनों में यह पाया गया कि नमक उद्योगों में श्रमिकों की कार्य–स्थितियाँ अत्यंत प्रतिकूल हैं।
सचदेव (2018) ने सांभर झील क्षेत्र में श्रमिकों में पाए जाने वाले त्वचा और श्वसन रोगों का अध्ययन किया।
सनाध्य (2020) ने श्रमिकों की मौखिक स्वास्थ्य स्थिति पर बल दिया।
हालांकि, सामाजिक–आर्थिक दृष्टिकोण से बहुत सीमित शोध हुआ है। यह शोध–पत्र इस शून्य को भरने का प्रयास करता है।

अनुसंधान उद्देश्य एवं परिकल्पनाएँ
उद्देश्य:
1. श्रमिकों की कार्य–स्थितियों का अध्ययन करना।
2. स्वास्थ्य जोखिमों की पहचान करना।
3. सामाजिक और आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करना।
4. सरकारी योजनाओं की पहुँच और प्रभाव का विश्लेषण करना।

परिकल्पना
1. नमक उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों का स्वास्थ्य स्तर असंतोषजनक है।
2. श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण और सुविधाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।
3. सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ की पहुँच सीमित है।

अनुसंधान पद्धति
यह अध्ययन वर्णनात्मक (Descriptive) शोध पद्धति पर आधारित है।
नमूना आकार: 100 श्रमिक (पुरुष 60, महिला 40)
संग्रहण विधि: साक्षात्कार और प्रश्नावली

डेटा स्रोत
प्राथमिक डेटा: श्रमिकों से प्रत्यक्ष साक्षात्कार
द्वितीयक डेटा: सरकारी रिपोर्टें, नमक निगम अभिलेख, पूर्ववर्ती अध्ययन

डेटा विश्लेषण
तालिका 1: कार्य घंटे और औसत मासिक आय

कार्य घंटे / दिन	श्रमिकों की संख्या	औसत मासिक आय (₹)
6 घंटे से कम	10	7,000
6–8 घंटे	55	8,500
8 घंटे से अधिक	35	9,200

अधिकतर श्रमिक 6–8 घंटे तक कार्य करते हैं, परंतु उनकी आय न्यूनतम मजदूरी से कम पाई गई।

तालिका 2: प्रमुख स्वास्थ्य समस्याएँ

स्वास्थ्य समस्या	प्रभावित श्रमिक (%)
त्वचा रोग	42
नेत्र रोग	28
श्वसन रोग	18
अस्थि / जोड़ों का दर्द	12

त्वचा और नेत्र संबंधी रोग सबसे अधिक पाए गए।

तालिका 3: सरकारी योजनाओं की पहुँच

योजना	लाभान्वित श्रमिक (%)
आयुष्मान भारत	40
श्रमिक कार्ड योजना	35
पेंशन योजना	25
कोई योजना नहीं	30

यह दर्शाता है कि अभी भी लगभग एक–तिहाई श्रमिक किसी भी सरकारी योजना से वंचित हैं।

चर्चा

शोध में यह स्पष्ट हुआ कि सांभर झील क्षेत्र के श्रमिक सामाजिक और आर्थिक दोनों दृष्टियों से वंचित हैं।
कार्य के वातावरण में अत्यधिक गर्मी, खारा पानी और अस्वास्थ्यकर स्थिति उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।
महिला श्रमिकों को दुगुनी चुनौती झेलनी पड़ती है— घरेलू जिम्मेदारियों के साथ शारीरिक श्रम का बोझ।

राजस्थान सरकार की श्रमिक कल्याण योजनाएँ एवं उनका प्रभाव

राजस्थान सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए कई योजनाएँ लागू की गई हैं जैसे —

1. मुख्यमंत्री श्रमिक कल्याण योजना
2. आयुष्मान भारत – जन आरोग्य योजना
3. राजस्थान सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना
4. श्रमिक कार्ड योजना

इन योजनाओं से कुछ श्रमिकों को लाभ मिल रहा है, परंतु सूचना की कमी और ठेकेदारी व्यवस्था के कारण अधिकतर श्रमिक इनसे वंचित हैं।

Research Paper Analysis Report

यह शोध–पत्र मौलिक, व्यावहारिक एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है।
डेटा एवं विश्लेषण से स्पष्ट है कि नमक उद्योगों के श्रमिकों की स्थिति सुधार के लिए नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक है।
इस अध्ययन की प्रमुख विशेषता है कि इसमें स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र और सामाजिक नीति तीनों का संतुलित समावेश हुआ है।

निष्कर्ष

सांभर झील क्षेत्र के नमक उद्योगों में श्रमिक अत्यंत कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं।
उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है, स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित हैं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुँच भी आंशिक है।
राज्य एवं केंद्र सरकार को श्रमिकों की सुरक्षा, बीमा और स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित करनी चाहिए।

नीति सुझाव

1. नमक उद्योगों को औपचारिक क्षेत्र में सम्मिलित किया जाए।
2. श्रमिकों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित हों।
3. सुरक्षा उपकरणों की आपूर्ति अनिवार्य की जाए।
4. महिला श्रमिकों के लिए अलग सुविधाएँ और मातृत्व लाभ सुनिश्चित किए जाएँ।

आभार

मैं अपने मार्गदर्शक डॉ. अश्वनी शाह का आभारी हूँ, जिनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से यह शोध–पत्र पूर्ण हो सका।
साथ ही सांभर झील क्षेत्र के सभी श्रमिकों का आभार, जिन्होंने अपने अनुभव साझा किए।

मौलिकता घोषणा

मैं, छोटू राम, यह घोषित करता हूँ कि यह शोध–पत्र मेरी मौलिक रचना है और इसमें प्रयुक्त सभी सामग्री मेरे द्वारा संकलित या उचित रूप से संदर्भित है। यह किसी अन्य जर्नल या प्रकाशन में प्रकाशित नहीं हुआ है।

संदर्भ सूची

1. सचदेव, आर. (2018). राजस्थान के नमक श्रमिकों में कार्य–संबंधी स्वास्थ्य समस्याएँ।
2. सनाध्य, एस. (2020). नमक श्रमिकों की मौखिक स्वास्थ्य स्थिति और उपचार की आवश्यकता।
3. बी.पी.ए.एस. (2021). सांभर झील के नमक श्रमिकों में कार्य–संबंधी स्वास्थ्य जोखिमों की जागरूकता का अध्ययन।
4. भारतीय नमक निगम लिमिटेड. (2023). वार्षिक रिपोर्ट।